**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर में सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों का उच्च प्रशिक्षण प्रारम्भ

पंतनगर। 8 जनवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के डा. के.सी. शर्मा सभागार में, सस्य विज्ञान विभाग के संकाय उच्च प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा संचालित २१-दिवसीय प्रशिक्षण का आज शुभारम्भ हुआ। इस प्रशिक्षण का विषय 'जलवायु उत्तरजीविता के लिए सामरिक प्रतिक्रिया खेती' था।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अधिष्ठाता कृषि डा. जे. कुमार ने बताया कि इस समय वातावरण में तीव्र परिवर्तन को देखते हुए तथा अजैविक कारकों के बदलाव को स्वीकार करते हुए कृषि प्रणाली को वातावरण के अनुरूप परिवर्तित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के तहत संसाधनों के परिस्थितिकी के अनुसार सीमित प्रयोग पर बल दिय जाना चाहिए, क्योंकि वर्तमान कृषि प्रणाली में उर्वरकों एवं रसायनों के अंधाधुन्द प्रयोग से मृदा की उर्वरता में ह्रास के साथ-साथ वातावरण भी दुष्प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि प्रणाली कम लागत वाली होनी चाहिए, ताकि संसाधनों के अनुचित दोहन को कम किया जा सके। डा. जे. कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण का आयोजन बहुत ही सामायिक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कई नयी तकनीकों का विकास किया गया है, जैसे संरक्षित खेती, संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, कुशल एवं लाभदायक फसल और कृषि प्रणाली, फसल विविधिकरण, जैविक खेती इत्यादि। उन्होंने कहा कि ऐसी कृषि प्रणाली अपनायी जानी चाहिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

प्रशिक्षण निदेशक एंव विभागध्यक्ष, डा. के. एस. शेखर, ने सस्य विज्ञान विभाग के बारे में बताया। उन्होंने वर्तमान समय में अपनायी जाने वाली कृषि प्रणालियों में नवीन तकनीकों के समावेश पर जोर दिया जिससे विभिन्न जलवायु-परिस्थियों के अनुरूप विकसित तकनीक को समावेशित कर खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि की जा सके और किसान लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सस्य विज्ञान विभाग के प्राध्यापक, डा. रोहिताश्व सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए इस प्रशिक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी। समारोह के अन्त में सह प्राध्यापक, डा. सुमित चतुर्वेदी, ने सभी उपस्थित वैज्ञानिकों, प्रशिक्षणार्थियों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया। इस प्रशिक्षण का समापन 28 जनवरी 2019 को होगा।

*प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मंचासीन वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षणार्थी।*